Twitter Thread by Vibhu Vashisth

Vibhu Vashisth
@VIBHU_Tweet

[illegible] - [illegible]

[illegible] 18 [illegible], [illegible]

[illegible] [illegible]-[illegible] [illegible]...

..[illegible]-[illegible] [illegible]

[illegible],[illegible]

|| अध्याय - 15 ||

मुक्ति पाने के उपचार

~ गरुड़ जी, भगवान् श्री विष्णु जी से पूछते हैं, हे! मुक्ति प्रदान करने वाले सर्व श्रेष्ट, इस संसार में करोड़ों जीव दिन प्रतिदिन,जन्मते और मरते हैं। इस का कोई अंत नहीं है। इस संसार में सभी दुखी ही नजर आते हैं, सुखी कोई भी नहीं। किन उपायों से यह जीव मुक्ति प्राप्त कर सकतें हैं, आप बताने की कृपया करें।

~ भगवान् विष्णु जी ने कहा, हे पक्षी राज, मनुष शरीर पा कर,जो आत्मा की मुक्ति के बारे में नहीं सोचता वह मनुष्य का पाप एक ब्राह्मिन को वध करने से भी बड़ा है। मनुष्य शरीर के बिना कोई भी प्राणी, इस शरीर के महत्त्व को नहीं जान सकता। इस लिए इस शरीर को सुरक्षित रख कर सत्य कर्म करने अनिवार्य है।

[redacted], [redacted]-[redacted],[redacted],[redacted]

[redacted] '[redacted]' [redacted], [redacted], [redacted]...

..., [redacted], [redacted], [redacted], [redacted]-[redacted]

[redacted] '[redacted]' [redacted] '[redacted]' [redacted], [redacted], [redacted], [redacted], [redacted]...

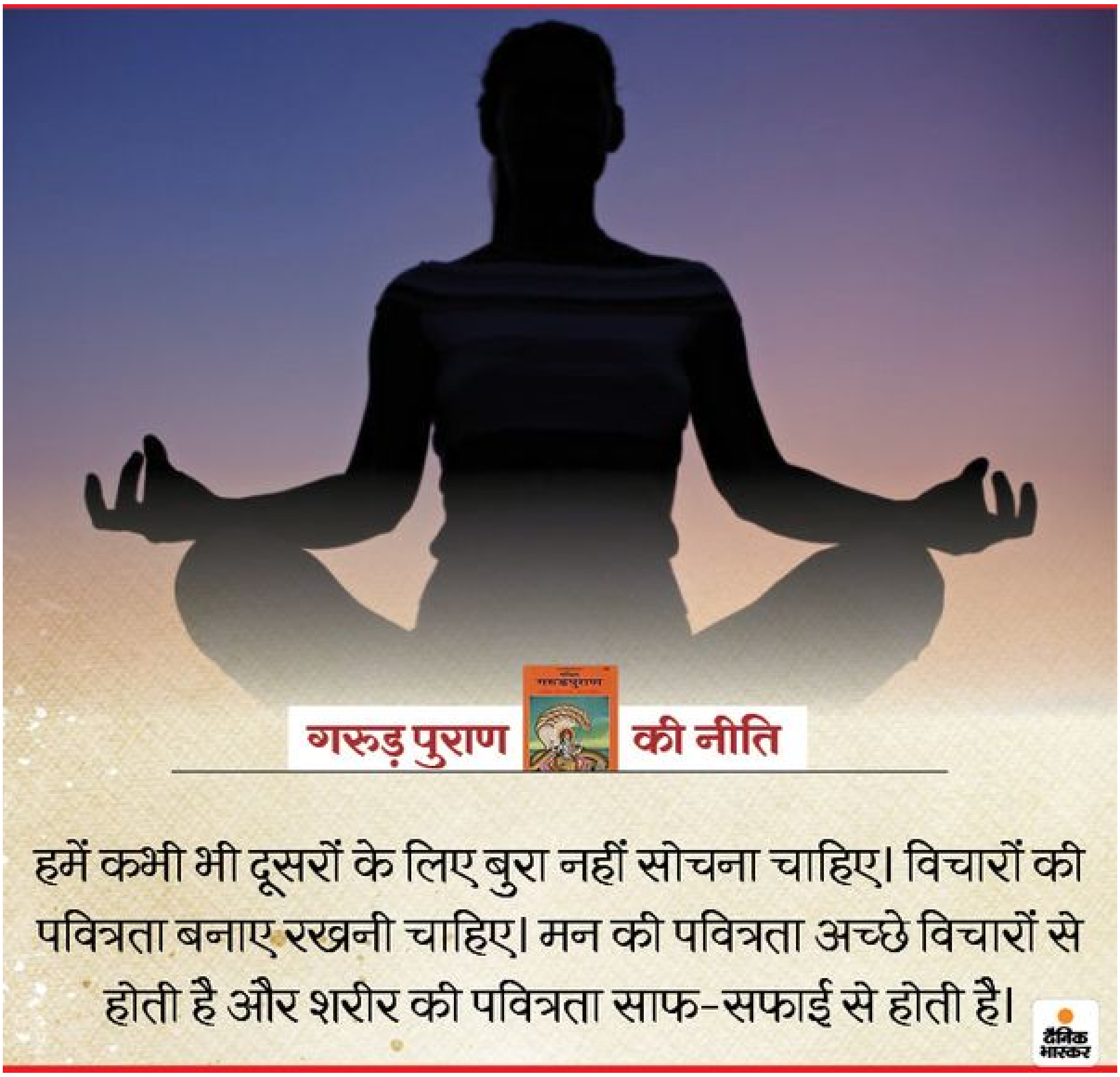

...[redacted], [redacted] '[redacted]' [redacted] 35 [redacted], [redacted]...

...[redacted]

'[redacted]?' [redacted]?, [redacted]..

..[redacted]

[redacted], [redacted]-[redacted], [redacted]-[redacted],
[redacted]-[redacted] [redacted]-[redacted]

[redacted]-

* [redacted]-[redacted]

[illegible]

* [illegible] 84 [illegible]

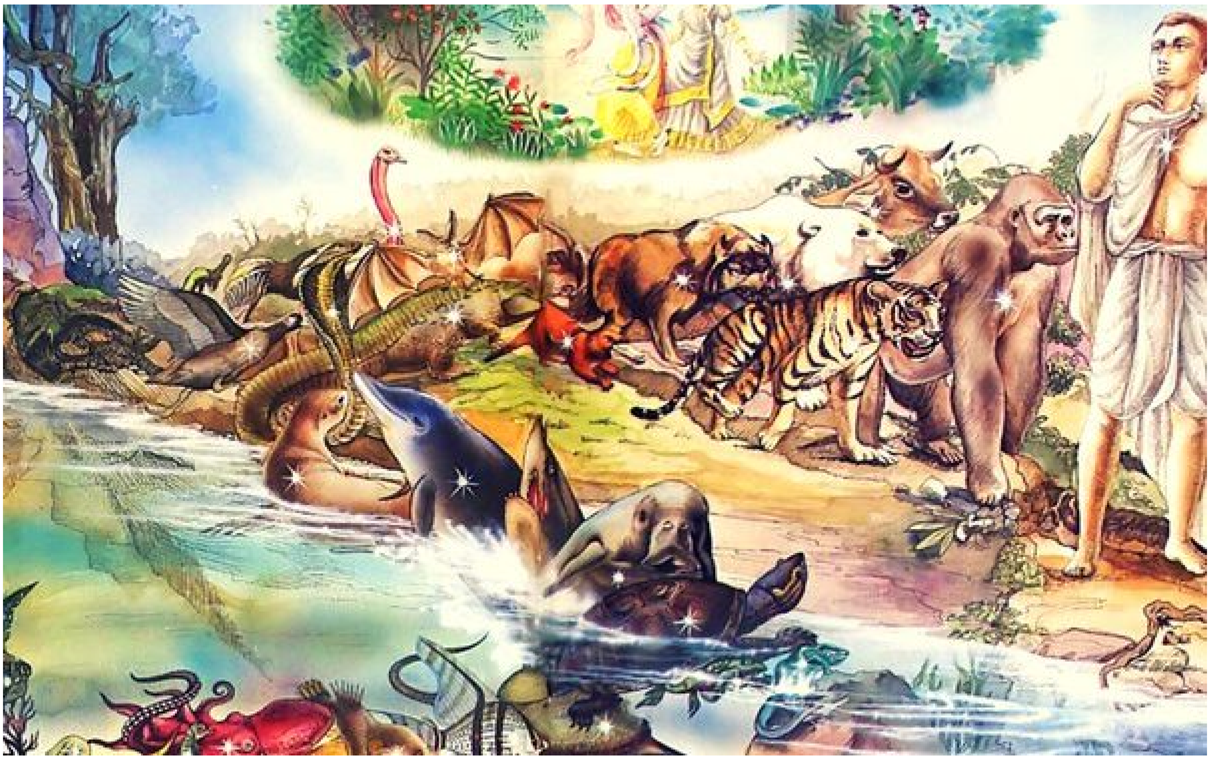

* [illegible]

[illegible] 84 [illegible], [illegible] 84 [illegible], [illegible]

[illegible]-[illegible]

'[illegible]-[illegible]' [illegible]...

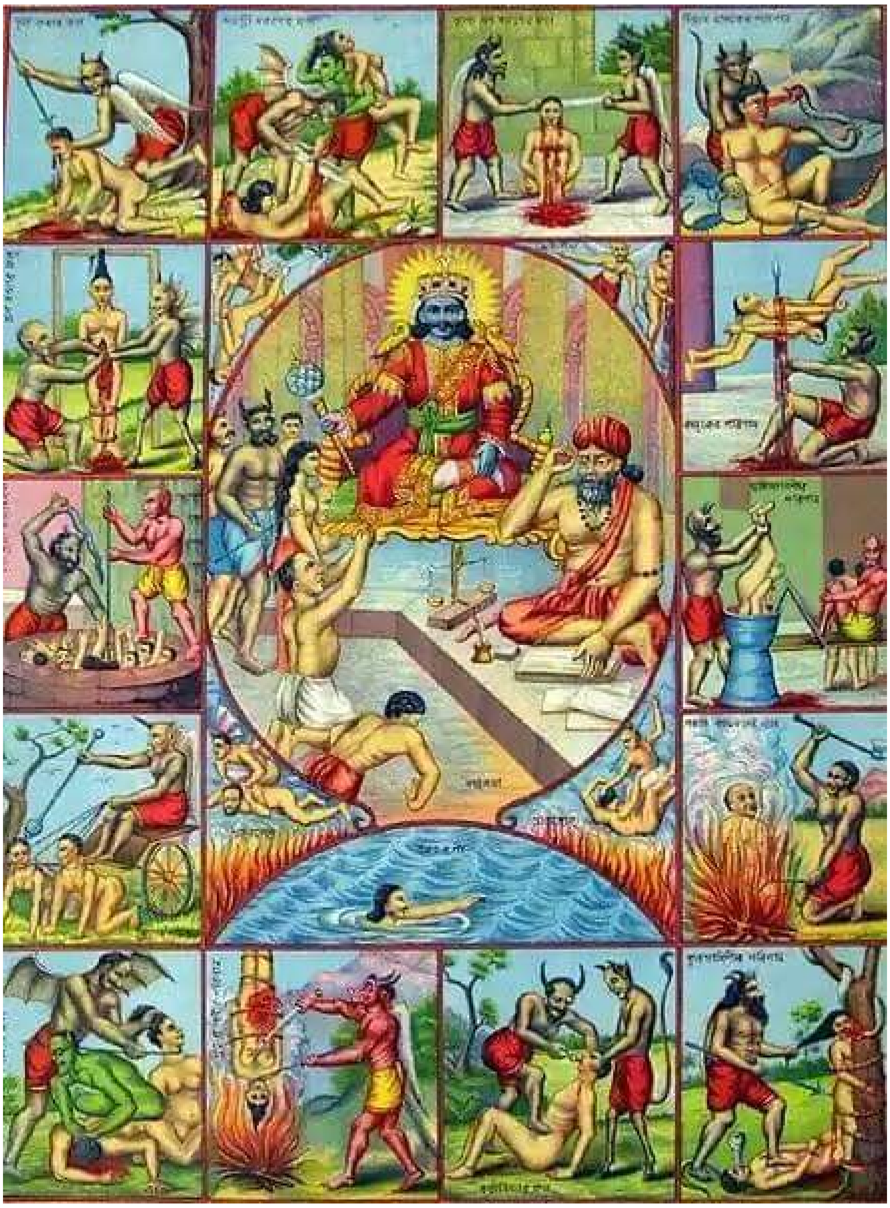

…[illegible]

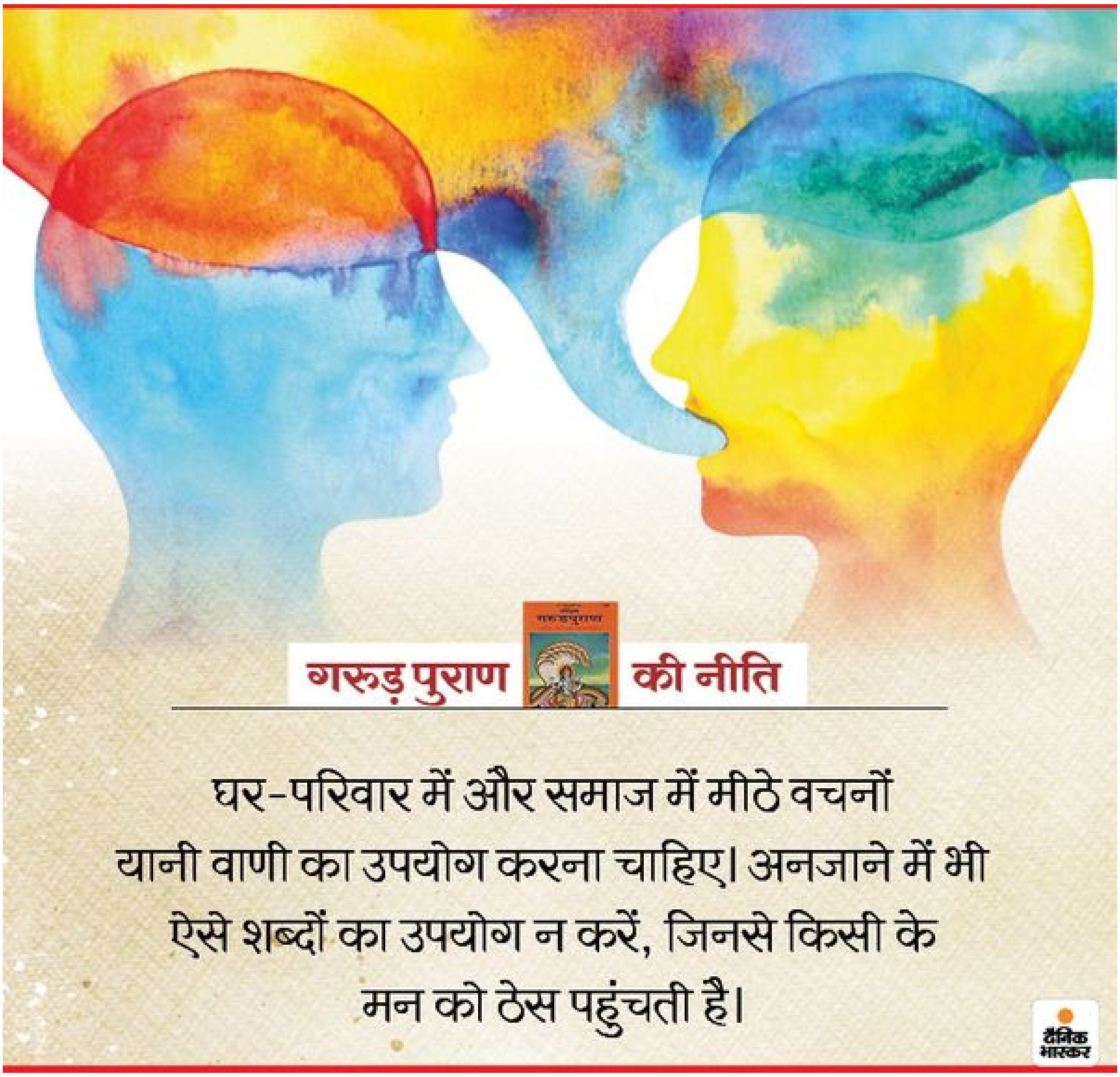
गरुड़ पुराण
की नीति
घर-परिवार में और समाज में मीठे वचनों
यानी वाणी का उपयोग करना चाहिए। अनजाने में भी
ऐसे शब्दों का उपयोग न करें, जिनसे किसी के
मन को ठेस पहुंचती है।
दैनिक भास्कर

[redacted]

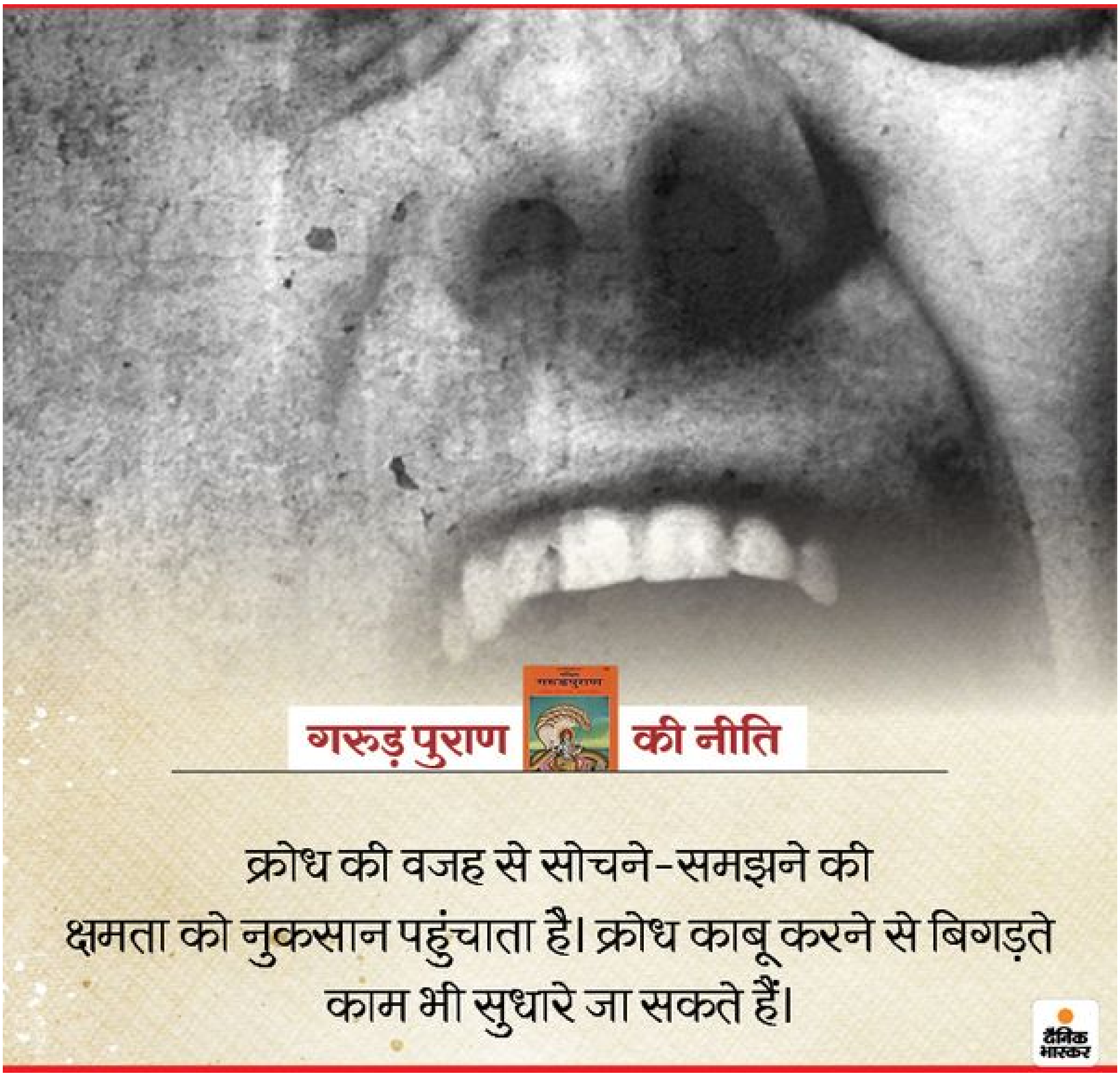

[redacted]-[redacted], [redacted]-[redacted]

[redacted]...

गरुड़ पुराण
की नीति
कमाई कम होने पर भी बिना सोच-समझे बहुत ज्यादा दान करने वाले लोग हमेशा दुखी रहते हैं। वहीं दूसरी ओर ज्यादा धन होने पर भी कंजूसी की वजह से जरूरतमंद लोगों की मदद न करने वाले लोगों को मान-सम्मान नहीं मिलता है।
दैनिक भास्कर

...[redacted]

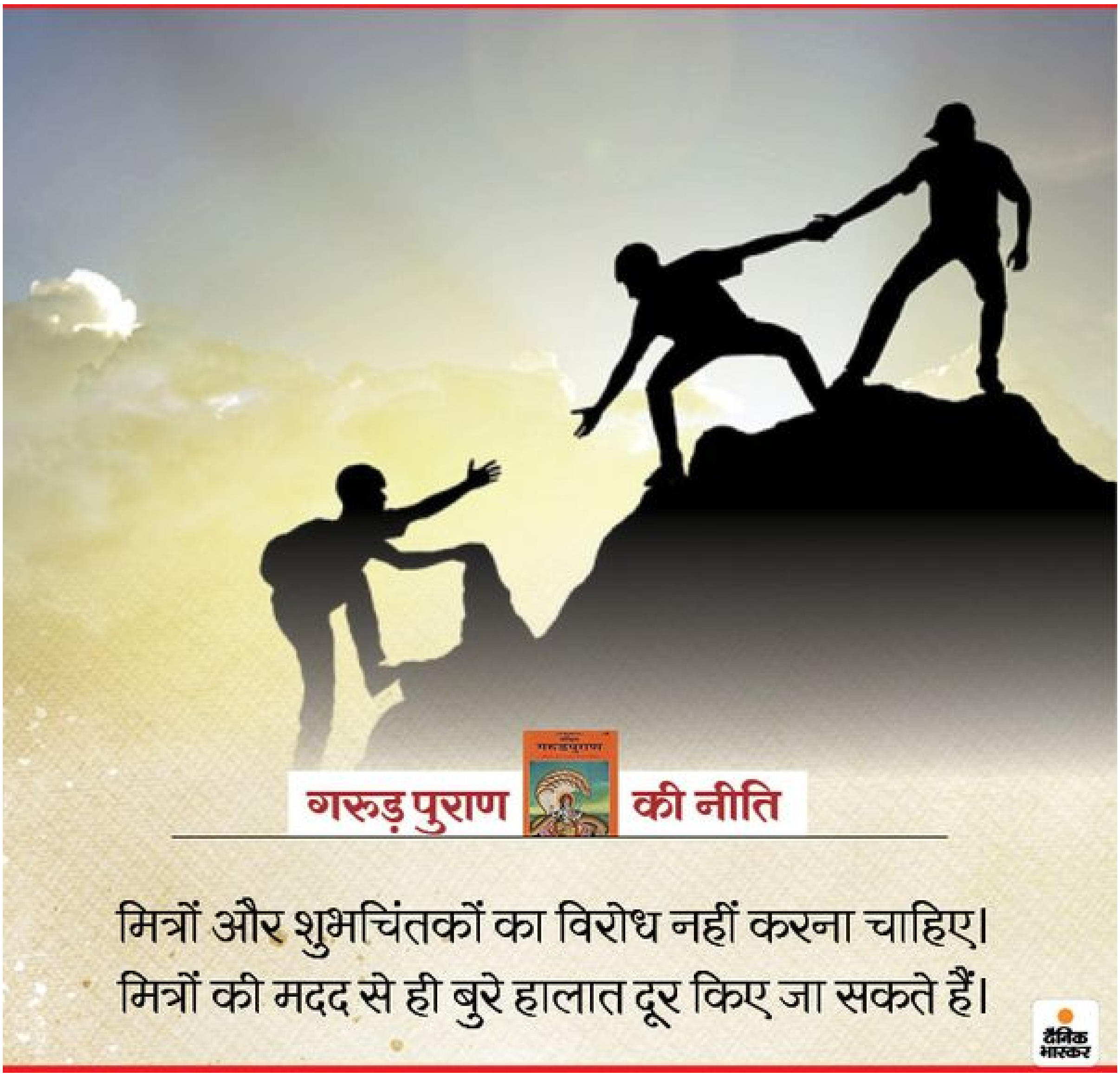

[redacted] 28 [redacted], [redacted]

[redacted]-[redacted], [redacted] , [redacted] 86 [redacted]

[illegible] 7 [illegible]
[illegible],"[illegible]! [illegible]
[illegible], [illegible]"
[illegible],"[illegible]! [illegible]..

...[illegible], [illegible], [illegible], [illegible] 12 [illegible]
[illegible], [illegible]
[illegible]...

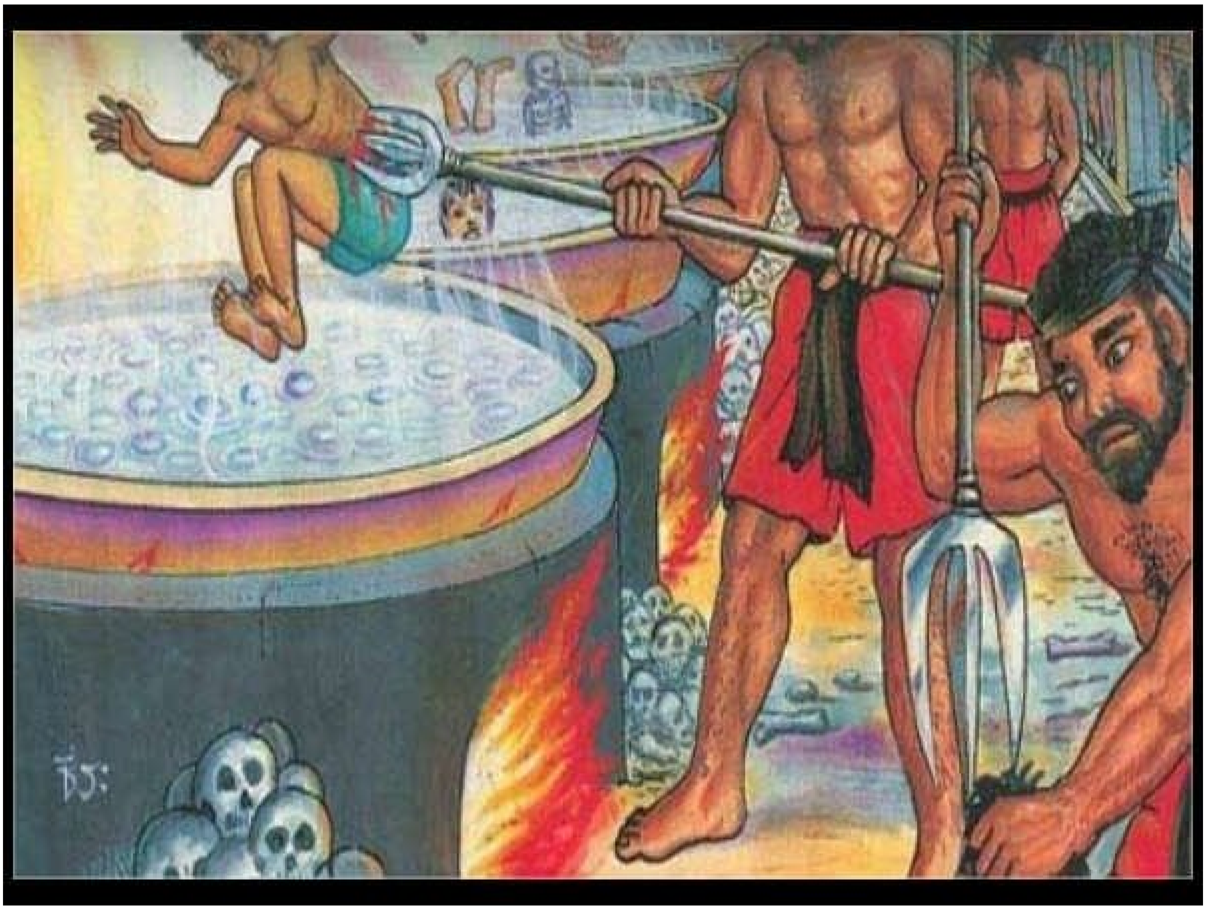

...[redacted], [redacted], [redacted], [redacted], [redacted],[redacted], [redacted]...

...[redacted] '[redacted]' [redacted]...

...[illegible]

17 [illegible],18[illegible]"

[illegible], [illegible],[illegible]

[illegible]

[illegible]

[redacted]: [redacted]

[redacted]: [redacted]

[redacted]